भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 5559
दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रधानमंत्री की फ्रांस और अमरीका की यात्रा

5559. श्री डी. एम. कथीर आनंदः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री की हाल की फ्रांस और अमरीका की यात्रा के परिणाम क्या रहे;
(ख) क्या केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री की हाल की अमरीका यात्रा के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका से एफ-35 लड़ाकू विमानों सहित लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) भारत और अमरीका द्वारा हस्ताक्षरित खरीद सौदों का कुल मूल्य (भारतीय रुपए में) कितना है; और
(घ) क्या भारत और फ्रांस के बीच हुए समझौते के अनुसार केन्द्र सरकार को फ्रांस से सभी 36 राफेल जेट विमान प्राप्त हो गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10-12 फरवरी, 2025 तक फ्रांस की यात्रा की। प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ 10-11 फरवरी, 2025 को एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। शिखर सम्मेलन में 30 राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों, 57 मंत्री, 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और सीईओ तथा सह-संस्थापकों सहित क्षेत्र के 41 अग्रणी व्यवसायियों ने भाग लिया। "लोगों और ग्रह के लिए समावेशी और टिकाऊ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" शीर्षक से एक वक्तव्य को अंगीकार किया गया। शिखर सम्मेलन के दौरान पब्लिक इंटरेस्ट एआई प्लेटफॉर्म और इनक्यूबेटर भी लॉन्च किया गया। इस बात पर सहमति हुई कि भारत अगले एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह यात्रा पेरिस और मार्सिले दोनों में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय कार्यक्रम था।

प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय वार्ता होराइजन 2047 रोडमैप के तहत भारत-फ्रांस सामरिक साझेदारी के सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ाने; सुरक्षा और संप्रभुता के लिए साझेदारी, ग्रह और लोगों के लिए साझेदारी; तथा प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर केंद्रित रही। इस यात्रा के दौरान भारत-फ्रांस सीईओ फोरम की 14 वीं बैठक भी आयोजित की गई। इस यात्रा के प्रमुख परिणाम इस प्रकार हैं:

• मार्सिले में भारत के कोंसलावास का संयुक्त उद्घाटन।

• भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 के लिए प्रतीक चिन्ह का विमोचन।

• कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भारत-फ्रांस घोषणापत्र को अंगीकार किया जाना।

• फ्रांसीसी स्टार्ट-अप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में 10 भारतीय स्टार्ट-अप को स्थान देने के लिए करार।

• उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों और लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों पर आशय घोषणा-पत्र, जिसका उद्देश्य भारत और फ्रांस के बीच एसएमआर और एएमआर प्रौद्योगिकियों का सह-डिजाइन, सह-विकास और सह-उत्पादन करना है।

• भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और फ्रांस के कमिसारिएट ए ल एनर्जी एटोमिक एट ऑक्स एनर्जीज अल्टरनेटिव्स (सीएई) के बीच वैश्विक परमाणु ऊर्जा भागीदारी केंद्र (जीसीएनईपी) के साथ सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन और कार्यान्वयन करार।

• हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों में संयुक्त विकास परियोजनाओं के लिए त्रिकोणीय विकास सहयोग पर संयुक्त आशय घोषणापत्र।

• डिजिटल विज्ञान और पर्यावरण के क्षेत्र में आशय पत्र/आशय घोषणापत्र।

संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प के निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री मोदी ने 12-13 फरवरी, 2025 को "आधिकारिक कार्य" यात्रा के लिए वाशिंगटन डीसी का दौरा किया। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से "21वीं सदी के लिए यूएस-इंडिया कॉम्पैक्ट (सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों का उत्प्रेरण)" की शुरुआत की – ताकि सहयोग के प्रमुख स्तंभों में मूलभूत परिवर्तन बदलाव लाया जा सके। यात्रा के मुख्य निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

• 21वीं सदी में भारत-अमेरिका प्रमुख रक्षा साझेदारी के लिए दस वर्षीय रूपरेखा को इस वर्ष अंतिम रूप दिया जाएगा।

• स्वायत्त प्रणाली उद्योग गठबंधन (एएसआईए), इंडो-पैसिफिक में रक्षा उद्योग साझेदारी को बढ़ाने के लिए कार्य करेगा। यह रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए भारत-अमेरिका रोडमैप पर आधारित होगा।

• द्विपक्षीय व्यापार के लिए "मिशन 500" का नया लक्ष्य, जिसमें बहुक्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार करार पर बातचीत भी शामिल है, जिसके पहले चरण पर इस वर्ष बातचीत की जाएगी।

• परमाणु दायित्व मुद्दे पर ध्यान देते हुए असैन्य परमाणु ऊर्जा में सहयोग को आगे बढ़ाना तथा दोनों देशों के बीच निजी क्षेत्र के सहयोग को बढ़ावा देना, विशेष रूप से उन्नत लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों में, जिसमें बड़े पैमाने पर स्थानीयकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल है।

• भारत-अमेरिका "ट्रस्ट" - महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग को गहरा करने के लिए रणनीतिक प्रौद्योगिकी पहल का उपयोग करके संबंधों में बदलाव लाना।

• एआई अवसंरचना में गति लाने के लिए रोडमैप और एआई के लिए कंप्यूट और प्रोसेसर के विकास और पहुंच हेतु मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता।

• इंडस इनोवेशन - अंतरिक्ष, ऊर्जा और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में उद्योग और शैक्षणिक साझेदारी को आगे बढ़ाना।

• महत्वपूर्ण खनिजों की पुनर्प्राप्ति और प्रसंस्करण के लिए रणनीतिक खनिज पुनर्प्राप्ति पहल।

• अमेरिकी राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन और भारत के अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन।

• आर्थिक संपर्क और वाणिज्य में समन्वित निवेश को आगे बढ़ाने के लिए हिंद महासागर रणनीतिक उद्यम का शुभारंभ।

(ख) जी, नहीं।

(ग) लागू नहीं।

(घ) जी,हां। भारत और फ्रांस के बीच हुए समझौते के अनुसार सभी 36 राफेल जेट भारतीय वायुसेना को प्राप्त हो गए हैं।

*****